Krishna Nand

कई वर्षों में की गई अन्त: क्रियाओं का विश्लेषण करके शिक्षा मनोवैज्ञानिक ऐसे बालकों के समस्याओं के संभावित कारणों का पता लगाते हैं तो इन अन्तःक्रियाओं में कौन-कौन अंतःक्रियाओं को सम्मिलित किया जाएगा, इसके बारे में कोई सामान्य नियम नहीं है परन्तु शिक्षा मनोवैज्ञानिकों के बीच इस बात की करीब-करीब सहमति है कि किसी समस्या बालक या बालकों का केस विवरण (case history) तैयार करते समय मूल रूप से निम्नांकित तथ्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए -

i) प्रारंभिक सूचनाएँ (Preliminary information) - इसके अन्तर्गत समस्या बालक (Problem child) का नाम उम्र, यौन (Sex), माता-पिता का उम्र, शिक्षा, पेशा, सामाजिक स्तर (social status), परिवार में सदस्यों की संख्या इत्यादि जैसे तथ्यों को सम्मिलित किया जाता है।

ii) गत इतिहास (Past history) - इसके अन्तर्गत गर्भाधारण से वर्तमान समय तक का इतिहास तैयार किया जाता है। जब बालक माँ के गर्भ में था, तो उस समय माँ कि स्थिति कैसी थी, माँ में उस समय कोई भयंकर शारीरिक या मानसिक बीमारी हुई थी या नहीं, जन्म लेते समय की अवस्था कैसी थी जैसा जन्म सामान्य ढंग से हुआ था या किसी प्रकार की कोई विकृत (Complication) आदि उत्पन्न हुई थी, जन्म के बाद किसी प्रकार की शारीरिक आघात आदि की घटना, बालक का जन्म (Birth order), बचपनावस्था में किसी भयंकर शारीरिक बीमारी का प्रकोप आदि से संबंधित तथ्यों को इकट्ठा किया जाता है।

iii) वर्तमान अवस्था (Present condition) - बालक के वर्तमान अवस्था के बारे में भी एक लेखा-

P.T.O

K. Nand B.A II Hons (Vaili

जीवना तैयार किया जाता है। जैसे - बालक का बुद्धि स्तर (Intelligence Level), उसका रुचि (Interest), शौक (hobby), अभिक्षमता (aptitude), संवेगिक स्तर (Level of emotionality), स्कूल उपलब्धि (School achievement) से संबंधित तथ्यों को इकट्ठा कर लिया जाता है।

· वैयक्तिक विधि के गुण तथा दोष बतायें गए हैं, इसके प्रमुख गुण (merits) निम्नांकित है।

i) ⇒ वैयक्तिक विधि में मनोवैज्ञानिक चूंकि प्रत्येक अध्ययन किए जाने वाले बालक का एक अलग विस्तृत इतिहास तैयार करके उसके कारणों का पता लगाना चाहते हैं। इसलिए इस विधि द्वारा बालकों का गहन अध्ययन (intensive study) संभव है।

ii) ⇒ वैयक्तिक विधि द्वारा बालकों की समस्याओं तथा उनके संभावित कारणों पर सीधा प्रकाश डालने का सुनहरा अवसर शिक्षा मनोविज्ञानिक को प्राप्त हो जाता है, जो अन्य विधि में दुर्लभ है।

इन गुणों के बावजूद इस विधि में अवगुण (demerits) है जो निम्नांकित है। —

i) वैयक्तिक विधि शिक्षा मनोविज्ञान बालकों की समस्याओं का अध्ययन बालकों के अतित का विश्लेषण करके करते हैं, यह विवरण मूलतः बच्चों के माता-पिता तथा अन्य सदस्यों द्वारा दी गई सूचनाओं पर आधारित होता है। अक्सर देखा गया है कि माता-पिता या परिवार के अन्य सदस्य